यहां जानिए हिमालय को, करें बाबा अमरनाथ के दर्शन

प्रदेश का पहला साइंस पार्क तैयार, जल्द ही जनता के लिए खुलेगा, यूकॉस्ट के झाझरा में बने पार्क में मिलेगा विज्ञान का व्यावहारिक ज्ञान

आफताब अजमत

देहरादून। डायनासोर, हिमालय, अमरनाथ गुफा, तारामंडल... बच्चे जिन शब्दों को किताबों में पढ़कर कल्पनाएं विकसित करते हैं, उन्हें अब देहरादून में देखा जा सकता है। उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं तकनीकी प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) के झाझरा स्थित परिसर में प्रदेश का पहला साइंस पार्क तैयार हो चुका है। जल्द ही आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। हालांकि इसके दर्शन निशुल्क नहीं होंगे। इतनी जानकारी प्राप्त करने के लिए लोगों को कुछ शुल्क चुकाने होंगे।

- वेस्ट यूपी और हिमाचल प्रदेश के बच्चों के लिए भी होगा फायदेमंद

पार्क में आने वाला हर शख्स विज्ञान को व्यवहारिक तौर पर समझ सकेगा। यहां पर लोगों को न केवल नैनो टेक्नोलॉजी के दर्शन होंगे, बल्कि बच्चे खुद बैठकर इनोवेशन (नवप्रयोग) भी कर सकेंगे। यह अनोखा साइंस पार्क न केवल उत्तराखंड, बल्कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के बच्चों के लिए भी फायदेमंद साबित होगा। पार्क दो हिस्सों में में बंटा गया है। बाहरी हिस्से में सभी भारतीय वैज्ञानिकों की मूर्तियों के साथ ही विज्ञान से जुड़ी कई जानकारियों को फिजिक्स और केमिस्ट्री के माध्यम से दर्शाया गया है। पार्क के भीतर जाने पर विज्ञान के परंपरागत स्वरूप से लेकर अत्याधुनिक रंग देखने को मिलते हैं। इसी माह 30 सितंबर तक पार्क यूकॉस्ट के हवाले कर दिया जाएगा। अक्तूबर के अंत तक इसे जनता के लिए खोल दिया जाएगा।

डायनासोर की प्रजातियां

झाझरा में प्रदेश के पहले साइंस पार्क में डायनासोर की प्रतिकृति।

विशालकाय जीव डायनासोर को अभी तक फिल्मों, टीवी और किताबों में देखे होंगे, लेकिन यहां आपको डायनासोर की कई प्रजातियों के बारे में जानने को मौका मिलेगा। किस प्रजाति का कौन सा डायनासोर कब और कहां हुआ करता था, इसकी भी जानकारी पार्क में दी जाएगी।

फन साइंस गैलरी

साइंस पार्क भीतर जाने पर फन साइंस गैलरी देखने को मिलती है। इसमें एनर्जी वॉल, स्प्रिंग मिरर, एयर प्रेशर, फन मिरर, वेव मॉशन, स्नेक पेंडुलम बरबस ही आकर्षित करते हैं। यहां फिजिक्स के माध्यम से बच्चे मनोरंजक तरीके से विज्ञान को समझ सकेंगे।

सभी फोटो : राजीव गुप्ता

साइंस पार्क के हॉल में लगा वेव मोशन।

साइंस पार्क के हॉल में एमआरआई मशीन का मॉडल।

ये भी खास

साइंस पार्क में थ्री डी सिनेमा हॉल बनाया गया है, जिसमें एक बार में 50 बच्चे विज्ञान से जुड़ी थ्री डी फिल्म देख सकते हैं। एमआरआई, मेडिकल से जुड़ी तमाम जानकारियों का यहां लाइव डेमोस्ट्रेशन किया जाएगा। इकोलॉजिकल वॉच, पेंडुलम, थ्री डी हाउस सहित कई चीजें ऐसी हैं, जिनसे विज्ञान को आसानी से समझा जा सकेगा।

झाझरा के साइंस पार्क के हॉल में बनी एनर्जी वॉल।

बच्चे बनेंगे साइंटिस्ट

आपने विज्ञान में बहुत सी बातें पढ़ी होंगी, लेकिन कभी उनका प्रयोग नहीं किया होगा या नया प्रयोग करना चाहते हैं तो साइंस पार्क का इनोवेशन हब आपकी इस जिज्ञासा को भी शांत करेगा। यहां बच्चे खुद एक्सपेरिमेंट कर सकते हैं। इसके अलावा यहां बनाए जाने वाले तारामंडल से आकाश गंगा और आकाश की तमाम बातें जानने, देखने व समझने का मौका मिलेगा।

डा. राजेंद्र डोभाल

साइंस पार्क नेशनल काउंसिल आफ साइंस म्यूजियम की ओर से तैयार किया जा रहा है। इसमें 50 प्रतिशत बजट राज्य सरकार और 50 प्रतिशत बजट केंद्र सरकार वहन कर रही है। पार्क तैयार होने के बाद इसकी देखभाल यूकॉस्ट करेगा। इसमें स्कूली बच्चों के भ्रमण के लिए टिकट की व्यवस्था की जाने की योजना है। सितंबर में पार्क तैयार होने के बाद अक्तूबर के अंतिम सप्ताह या नवंबर में हम पार्क आम जनता के लिए खोल देंगे।

-डा. राजेंद्र डोभाल, महानिदेशक, यूकॉस्ट।

साइंस पार्क के हॉल में बना हिमालय की ईकोलॉजी का दृश्य

बाबा अमरनाथ की गुफा

अगर आप कभी बाबा अमरनाथ के दर्शन करने नहीं गए हैं तो साइंस के सहयोग से दून में ही इसके दर्शन कर सकते हैं। हिमालयन पार्क के भीतर बाबा अमरनाथ की गुफा और शिवलिंग बनाया गया है। इसमें भीतर फ्रीजर लगाया गया है, जिसके माध्यम से महज 20 मिनट में पूरी गुफा में बर्फ जम जाती है।

पहला हिमालय पार्क

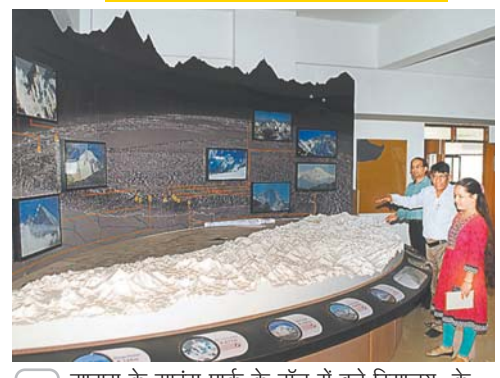

झाझरा के साइंस पार्क के हॉल में बने हिमालय के मॉडल के बारे में जानकारी देते वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डा. अरुण कुकसाल और अन्य।

पार्क के डेमोस्ट्रेटर सोनिया भंडारी और पंकज रावत ने बताया कि साइंस पार्क में देश का पहला हिमालय पार्क बनाया गया है। इसमें हिमालय की प्रतिकृति बनाई गई है। इसमें हिमालय की सभी नौ ऊंची पर्वत चोटियां भी बनाई गई हैं। जैसे ही किसी चोटी के नाम के नीचे बने बटन को दबाएंगे तो उस चोटी की पूरी जानकारी न केवल स्क्रीन पर आ जाएगी, बल्कि हिमालय की प्रतिकृति में भी वह साफ नजर आने लगेगी। साथ ही नंदा देवी और आसपास के पर्वत चोटियों की भी प्रतिकृति बनाई गई हैं। यूकॉस्ट के वैज्ञानिक डा. अरुण कुकशाल और अमित पोखरियाल ने बताया कि यह देश का अपनी तरह का पहला पार्क है। इसमें हिमालय की पूरी इकोलॉजी, संस्कृति से लेकर एडवेंचर गेम्स भी दिखाए गए हैं।

साइंस पार्क के हॉल में बना नंदा देवी और उसके आसपास की चोटियों का मॉडल।